जून माह के प्रार्थना निवेदन

जून 2018: निकारागुआ की ऐनाबैपटिस्ट कलीसियाओं के लिए प्रार्थना करें जबकि उनके देश में इस समय राजनैतिक अनिश्चियता है। शान्तिपूर्ण विरोध का सामना लगातार हिंसा के साथ किया जा रहा है। जबकि कलीसिया की सेवकाई पूरे देश में फैली हुई है, प्रार्थना करें कि कलीसिया शान्ति के पक्ष में एक बल, और शिकायतों के लिए एक सकारात्मक समाधान सिद्ध हो।

जून 2018: हे प्रभु, डीआर काँगों के हमारे भाई बहनों के लिए हम अपने टूटे हृदय के साथ तेरे पास आते हैं। हम संसार भर की कलीसियाओं से निवेदन करते हैं कि इन भाई बहनों को अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा सम्भाले। वे आर्थिक मंदी, राजनैतिक अस्थिरता, बीमारियों के खतरे (इबोला), नगर सेना की हिंसा, और विस्थापन की समस्याओं से जूझ रहे हैं। हम बच्चों के लिए प्रार्थना करते हैं जो माता पिता से अलग कर दिए गए हैं। हम ऐसी कलीसियाओं के लिए धन्यवाद करते हैं जिन्होंने अपने हृदयों और अपने घरों को शरणार्थियों के लिए खोल दिया है, और काँगों में मसीह की देह की एकता के लिए प्रार्थना करते हैं। हम राहत सामग्रियों और भोजन के सुचारू और निष्पक्ष वितरण के लिए प्रार्थना करते हैं। हम तुझे धन्यवाद देते हैं कि तूने ऐसे अगुवों को खड़ा किया है जो दीनता और निष्पक्षता के साथ कार्य करते हैं। हे प्रभु, हमारी प्रार्थना सुन।

अधिक जानकारी प्राप्त करने और आर्थिक सहायता देने हेतु हमसे सम्पर्क करें।

जून 2018: शरणार्थियों के आने से जर्मनी के समाज में बदलाव और विभाजन आ गया है। परमेश्वर की स्तुति हो कि अनेक कलीसियाओं ने नए पड़ोसियों और ''पुरानी'' कलीसियाओं (जिन्हें पहले परदेशी समझा जाता था) के साथ सम्बन्ध विकसित करते हुए अपने आसपास की आवश्यकताओं की ओर ध्यान दिया है। प्रार्थना करें कि सुसमाचार की गवाही जर्मनी में अरबी भाषी, अफ्रीकी, और इरानी समुदाय तक पहुँच रही है। प्रभु से अनुग्रह के लिए प्रार्थना करें जबकि मण्डलियों में भिन्न भिन्न पृष्ठभूमियों के लोग शामिल होते जा रहे है जिससे कि भाषा, संस्कृति, और शिष्यता से सम्बन्धित चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। प्रार्थना करें कि कलीसिया के सदस्य शरणार्थियों के लिए शान्ति के सुसमाचार के राजदूत और दूसरों के साथ वार्तालाप में शामिल होने तैयार न होने वाले समूहों के बीच मेलमिलाप के माध्यम बनें।